Interdisciplinary Perspectives on Equality and Diversity

2021, Volume 7, Issue 1

लॉकडाउन में स्त्री दशा

डॉ. दिव्या सिंघल*

State of Women in Lockdown

Divya Singhal*

सेंटर फॉर सोशल सेंसिटिविटी एंड एक्शन गोवा इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट, गोवा, इंडिया
Center for Social Sensitivity and Action, Goa Institute of Management

This Hindi poem highlights the gendered impact of Lockdown. Women around the globe have suffered, more so in the low- and middle-income countries. There are girls who are out of the education system because of the Lockdown (less resources); the burden of house work has increased; domestic violence has increased and the mental health of women has been adversely impacted.

लॉकडाउन के चलते
घरों में सीमित लोग
जटिल होता परिवेश
खासकर
घर की बेटी, सयानी बेटी और स्त्री के लिए

घर की बेटी और लॉकडाउन -
चल अच्छा हुआ
स्कूल नहीं हैं
घर के काम काज को देख
तू मोबाइल से पढ़ाई करके क्या करेगी ?
भाई को दे !
उसे ही आगे घर चलाना है
तुझे तो ब्याह करके
दूसरे का घर बसाना है

* Corresponding author: divyasinghal@gim.ac.in

Submitted 9 September 2020
Accepted 10 November 2020
First published online 20 January 2021
Published under CC-BY 4.0 https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

घर की सयानी बेटी और लॉकडाउन -
यह सही समय है
तुझे ब्याहने का
लॉकडाउन के चलते
बचेगा खर्चा
लोगो को जीमाने का
बी. ए , एम ए करके कौनसा
खाना स्वाद बन पायेगा
या झाड़ू कटखे में निखार आयेगा
बस कर अब
दो साल कॉलेज पढ़ लिया
अब घर बार देख
पढ़ने की आस को चूल्हे में फेंक !

घर की स्त्री और लॉकडाउन
हाँ ! पता है तेरी बढ़ी हुई जिम्मेदारियां
रसोई में परिजनों की आस को
पूरा करते बीतता दिन
फिर भी होती अत्याचार की शिकार
घरेलू हिंसा का बढ़ता हुआ आंकड़ा
मानसिक तनाव से जूझती
अंदर ही अंदर कसमसाती
सीमित राशन में काम चलाती
सबको खिलाती, फिर खुद खाती
बस तब और अब में अंतर इतना है
पहले बचा हुआ खा लेती थी
अब खाने के लिए बचता ही मुश्किल से है !
लॉकडाउन तूने तो इस लिंग भेद को और भी गहरा कर दिया
आधी आबादी को कैसे पल में और भी असहाय कर दिया !!

Published under CC-BY 4.0 https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/